बृहस्पतिवार 33 साल से देहरादून का विश्वास

27 मार्च 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 58
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

अवैध वसूली में हिस्ट्रीशीटर सहित दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। राजनीतिक दल के नाम पर अवैध वसूली करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जबकि उनके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। हालांकि जब इस मामले में एसओ राजपुर से बात की गयी तो वह इनकी गिरफ्तारी से अनभिज्ञता जाहिर करते रहे।

उल्लेखनीय है कि राजपुर थाना क्षेत्रान्तर्गत पिरामिड कैफे लॉज के प्रकाश जोशी ने 20 मार्च को राजपुर थाना पुलिस को सूचित किया कि आज सुबह करीब 12 बजे उसके पिरामिड कैफे लॉज राजपुर रोड़ देहरादून में कुछ लोग आये जिसमें एक राजनैतिक दल के कार्यकर्ता जो कि 40-50 की संख्या में थे बगैर उनकी अनुमति के उनके रेस्टोरेन्ट के अन्दर नारे लगाते हुये दाखिल हुये और स्टाफ के साथ बत्तमीजी व बदसलूकी की गयी जबरदस्ती दबाव बना करके एक लाख सात हजार रुपये 6 लोगो की सैलरी के नाम पर ले गये जिसमें डरा धमका कर सर्विस चार्ज भी ले गये तथा प्रतिष्ठान में मौजूदा स्टाफ को प्रतिष्ठान की छवि खराब करने की धमकी दी गयी और धमकाते हुये कहा कि 70 से 80 हजार रुपये दे दो नहीं तो उनके रेस्टोरेन्ट की ईमेज खराब करने के लिये सारी झूठी विडियो वायरल कर देगें। जिससे उनके रेस्टोरेन्ट पर कोई भी कस्टमर नहीं आयेगा और बार-बार वहां पर मौजूद लोगो को उकसाने के लिये अपमानजनक तरीके से पहाड़ी मैदानी शब्दो का उच्चारण कर लोगो को उकसाया गया और यह भी कहा गया कि रेस्टोरेन्ट पर ताला लगा देगे चाहे तुम डीएम, सीएम किसी को भी बुला लो इसके बाद जाते हुये मैनेजर प्रकाश जोशी, दीपक शर्मा, शैफ हरीश कुमार भोला और मालिक राम शर्मा और ईशान शर्मा को बात न मानने पर जान से मारने की धमकी दी गयी। उक्त घटना में महेश नेगी, अक्षय कोठारी, प्रकाश चौहान, जितेन्द्र तथा संदीप रावत (पूर्व स्टाफ पिरामिड कैफे लॉज) व आशीष नेगी, आशुतोष भण्डारी, विरेन्द्र सिंह बिष्ट, शान्ति प्रसाद आदि जिन्होने यूकेडी लिखी टोपी पहनी हुयी थी शामिल थे। इस पूरे मामले को गम्भीरता से लेते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आज एक हिस्ट्रीशीटर सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके नाम आशीष नेगी उर्फ उक्रांद पुत्र जयकृत सिंह नेगी निवासी कर्णप्रयाग जनपद चमोली व हाल दुल्हनियां नदी पुल के पास कृष्ण विहार किद्दूवाला रायपुर व आशुतोष नेगी पुत्र स्व. ज्ञान सिंह नेगी निवासी विद्या सदन निकट सर्किट हाउस पौड़ी व हाल कृष्ण विहार किद्दूवाला रायपुर बताये जा रहे है। पुलिस के अनुसार आशुतोष नेगी हिस्ट्रीशीटर बदमाश है जिस पर पोक्सो एक्ट सहित कई मुकदमें दर्ज है। वहीं जब इस मामले में गिरफ्तारी की जानकारी के लिए थानाध्यक्ष राजपुर से फोन पर बात की गयी तो उन्होने गिरफ्तारी पर अनभिज्ञता जताई और उनका कहना था कि अभी तलाश जारी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

तुष्टिकरण की राजनीति

यह बात भले ही थोड़ी अटपटी लगेगी तुष्टिकरण राजनीति साधने का एक ऐसा टूल है जिसका प्रयोग सभी राजनीतिक दल और नेताओं द्वारा बेझिझक किया जाता रहा है। यह बात अलग है कि सभी दल और नेता एक दूसरे पर तुष्टिकरण या फिर सांप्रदायिकता की राजनीति करने के आरोप लगाये जाते रहते हैं तथा अपने दामन के साफ सुथरा होने के दावे किए जाते हैं। देश की राजनीति में आपने सामाजिक स्तर पर कितने ही तरह के वर्गीकरण देखें और सुने होंगे। जातियों के भीतर भी वर्गीकरण तक और हिंदू-मुस्लिम की राजनीति से लेकर स्वर्ण और पिछड़ी जातियों की राजनीति का दौर अब पीछे छूट चुका है क्योंकि राजनीतिक दलों द्वारा वर्गीकरण के तमाम नए-नए तरीके क्षेत्रवार नेताओं द्वारा तलाश कर लिए जाते हैं। उत्तराखंड में इन दिनों पहाड़ी और मैदानी के मुद्दे पर छिड़ी सियासी जंग इसका ताजा उदाहरण है। खास बात यह है कि हमारे नेताओं के पास एक से बढ़कर एक ऐसे तीर हैं वह इस सामाजिक विभाजन के लक्ष्य पर एकदम सटीक निशाना साधने में कतई भी नहीं रह सकते हैं अभी बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक यूकेडी की महिला नेत्री लोगों से खुकरी निकालने और मैदान के लोगों की गर्दन काटने तक की अपील करते देखी गई थी। यह दीगर बात है कि किसी की भी गर्दन काटना इतना भी आसान नहीं होता है जितना आसानी से यह बात कह दी गई। लेकिन इस तरह के भड़काऊ भाषण या बयान किसी भी राज्य, क्षेत्र के सामाजिक माहौल को बिगड़ने के लिए काफी होते हैं।

बात सिर्फ उत्तराखंड राज्य की नहीं है जहां बीते कुछ समय से हिंदू-मुस्लिम तो हो ही रहा है। पहाड़ और मैदान के लोगों के बीच विभाजन की लकीर खींचने की कोशिशें की जा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह की तमाम घटनाएं घटित हो रही है। अभी हाल ही में लाये गए केंद्र सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड विधेयक को लेकर तुष्टिकरण की राजनीति चरम पर देखी जा रही है। असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेताओं द्वारा सरकार को समर्थन देने वाले टीडीपी और जदयू जैसे दलों के नेता चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार से यह अपील की जा रही है कि इस बिल के माध्यम से केंद्र सरकार मुसलमानों से मस्जिदों मदरसों व मजारों पर कब्जा करने की कोशिशे की जा रही है अगर इस बिल पर उन्होंने सरकार को समर्थन दिया तो आने वाली पीढ़ियां भी उन्हें माफ नहीं करेंगे और उनके हक मारने के लिए वही जिम्मेदार होंगे। क्योंकि बिना उनके सरकार यह बिल पास नहीं करा सकती है। आंध्र प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक स्थिति में है तथा उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य जहां समाजवादी पार्टी का वजूद मुस्लिम वोटरों पर टिका हुआ है वहां के नेता भले ही अभी चुप्पी साधे हो और केवल अखिलेश यादव ही स्पष्ट तौर पर कह रहे हो कि वह ऐसा किसी भी कीमत पर नहीं होने देंगे। तुष्टिकरण की राजनीति का एक ऐसा मुद्दा बन चुका है जहां अब या तो केंद्र सरकार इस बिल को ठंडे बस्ते में डालने पर विवश होगी या नायडू व नीतीश केंद्र सरकार से समर्थन वापस लेने पर मजबूर होंगे। भले ही इसका फैसला अभी भविष्य के गर्भ में छिपा हो लेकिन इसमें कोई संशय नहीं है कि तुष्टिकरण का राजनीति के दम पर ही भाजपा की केंद्र में सरकार है तथा दूसरे सभी दल भी तुष्टिकरण की राजनीति को ही सत्ता तक पहुंचने का जरिया मानते हैं। यह बात अलग है कि इस तुष्टिकरण की राजनीति ने देश के समाजवाद, एकता तथा भाईचारे को खंड-खंड कर दिया है।

रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को स्मार्ट कॉरिडोर योजना में शामिल करने की मांग

संवाददाता

हरिद्वार। रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को स्मार्ट कॉरिडोर योजना में सम्मिलित किये जाने की मांग को लेकर प्रमुख सचिव मीनाक्षी सुन्दरम को ज्ञापन प्रेषित किया।

हरिद्वार 27 मार्च, हरिद्वार स्मार्ट कॉरिडोर योजना में रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को सम्मलित किए जाने की मांग को लेकर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अगवाई में नगर निगम क्षेत्र के लघु व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भारी तादाद में इकट्ठा होकर पुराने माल गोदाम से सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय तक पैदल मार्च निकालकर जोरदार प्रदर्शन कर उत्तराखंड शासन के प्रमुख सचिव मीनाक्षी सुंदरम के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट कुसुम चौहान के माध्यम से प्रेषित किया। ज्ञापन में मांग की हरिद्वार स्मार्ट कॉरिडोर योजना मैं किए जाने वाले सभी विकास के कार्यों में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के लिए पहले से चलाई जारी योजनाओं को ध्यान में रखते हुए कॉरिडोर योजना में सम्मलित किए जाने की मांग को प्रमुखता से दोहराया।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा हरिद्वार स्मार्ट कॉरिडोर योजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में सम्मलित किया जाना न्याय पूर्ण होगा। उन्होंने कहा पंतदीप पार्किंग, हर की पौड़ी, भीम गोडा, रोड़ी बेल वाला व समस्त गंगा के घाटों पर बिंदी चूड़ी माला फूल प्रसाद विक्रेता लघु व्यापारी की एक बड़ी संख्या है उसी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय आजीविका मिशन पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार हरिद्वार स्मार्ट कोई डोर योजना में रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को प्राथमिकता के आधार पर सम्मलित किया जाना न्याय संगत है। सिटी मजिस्ट्रेट कुसुम चौहान के माध्यम से उत्तराखंड शासन प्रमुख सचिव नियोजन मीनाक्षी सुंदरम के नाम ज्ञापन प्रेषित करते हैं लघु व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों में कमल सिंह, सुनील कुकरेती, मनीष शर्मा, सनी वर्मा, मोनू तोमर, दलीप गुप्ता, विकास सक्सेना प्रधुमन सिंह, सुमित कुमार, सुबोध गुप्ता,कुंदन, शुभम सैनी, राजू जैन, रणवीर सिंह, जय भगवान, लालचंद गुप्ता, सुशांत कुमार, मंजू पाल, सुनीता चौहान आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

सचिवालय में अनुसचिव के कार्यालय में घुसकर की मारपीट

संवाददाता

देहरादून। सचिवालय में अनुसचिव के कार्यालय में घुसकर मारपीट गाली गलौच करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुसचिव राजेश कुमार ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी सम्पत्ति भक्ति एन्कलेव, गढ़वाल कॉलोनी, आई टीबीपी रोड़, निरंजनपुर पर निर्माण कार्य करने हेतु ठेकेदार नूर मौहम्मद पुत्र स्व० नूर हसन द्वारा अपने साथी शुएब के साथ मिलकर उसके साथ फर्जी कंपनी (सिटी इंफाटेक कंपनी) बनाकर उससे धोखाधड़ी एवं विश्वासघात किये जाने के संबंध में उसके द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के समक्ष उक्त दोनों व्यक्तियों के विरूद्ध शिकायत दर्ज करायी गयी थी जिस पर क्षेत्राधिकारी नगर, एव एस पी नगर, देहरादून द्वारा जांच के उपरांत उनके विरूद्ध मुकदमा दर्ज करने की संस्तुति किये जाने के पश्चात थाना वसंत विहार देहरादून में उक्त नूर मौहम्मद एवं शुएब के विरूद्ध दर्ज किया गया। वह उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून में समूह क स्तर के अधिकारी के रूप में अनुसचिव पद पर कार्यरत है। उक्त मुकदमे में आरोपी शुएब द्वारा उसके व्यक्तिगत दूरभाष नम्बर पर फोन करके उससे माफी मांगने हेतु अनुरोध करते हुए मिलने का समय मांगा गया तथा इसके उपरांत शुएब एवं उनके साथी नावेद अली द्वारा उत्तराखण्ड सचिवालय ई-गेट पास पोर्टल पर उससे मिलने हेतु पास के लिए आवेदन भी किया गया। उसके द्वारा उन पर सहज विश्वास करते हुए शुएब एवं नावेद अली को अपने कार्यालय में मिलने हेतु सांय के समय की अनुमति प्रदान की गयी। जैसे ही उक्त दोनों व्यक्ति सचिवालय प्रवेश पास लेकर सचिवालय स्थित उसके कक्ष में आए तो कुछ समय सामान्य रूप से बात करने के उपरांत अचानक उन दोनों व्यक्तियों ने उससे बदतमीजी एवं गाली-गलौच करना प्रारंभ कर दिया। उक्त दोनों व्यक्तियों द्वारा उसके द्वारा शुएब एवं नूर मौहम्मद के विरूद्ध दर्ज किये गये मुकदमे को वापिस न लिये जाने की दशा में उसकी अधिकारी की छवि को खराब करने, उससे मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी दी गयी। इस दौरान उसके कार्यालय में तैनात कर्मचारियों द्वारा तत्काल उन्हें गाली-गलौच करने से रोका गया एवं उन्हें चेतावनी देते हुए तत्काल कक्ष से निकल जाने हेतु कहा गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सरदार भगतसिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

रुद्रपुर। सरदार भगतसिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर के भूगोल विभाग परिषद के तत्वावधान में विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राजेश कुमार उभान द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत की सुंदर प्रस्तुति की गई इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का शीर्षक हिमालय का विकास व प्राकृतिक आपदाएँ रहा।

क्विज प्रतियोगिता का शीर्षक पर्यावरण हेतु पुनर्चक्रण क्यों आवश्यक है? व भाषण प्रतियोगिता का शीर्षक जल संरक्षण की आवश्यकता रहा। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंकित, द्वितीय स्थान आकाश एवं तृतीय स्थान प्रीति नेगी का रहा ।क्विज प्रतियोगिता में आयुषी विश्वास प्रथम, पूजा कौर द्वितीय स्थान व हीरा आर्या तृतीय स्थान पर रही। भाषण प्रतियोगिता में आयुषि बी ए 6 समेस्टर प्रथम, पूजा कौर द्वितीय व मृदुल खंडेलवाल तृतीय स्थान पर रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग प्रभारी प्रो (डॉ) पूनम रौतेला ने की परिषद के संयोजक डां कमला बोरा एवं सह संयोजक डॉक्टर पूनम साह रहीं। प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र व पुरस्कार भी वितरित किए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉक्टर दीपा वर्मा एवं डॉक्टर त्रिपाठी व डां आशा राणा आदि उपस्थित रहीं।

फीस बढोत्तरी को लेकर अभिभावकों ने किया स्कूल में प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। फीस बढोत्तरी को लेकर अभिभावकों ने एन मेरी स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि स्कूल प्रबंधक द्वारा प्रत्येक वर्ष मानको को दरकिनार कर तीस से चालीस प्रतिशत तक फीस में बढोत्तरी की जाती है।

आज यहां बल्लीवाला चौक स्थित एन मेरी स्कूल के बाहर अभिभावकों की भीड एकत्रित होनी शुरू हो गयी। जिसके बाद अभिभावकों ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। उनका कहना था कि मानकों के अनुसार प्रत्येक तीन वर्ष में स्कूल के द्वारा फीस की बढोत्तरी की जा सकती है वह भी मात्र दस प्रतिशत ही बढोत्तरी स्कूल कर सकता है। लेकिन एन मेरी स्कूल के प्रबंधकों के द्वारा एक साथ 30 से 40 प्रतिशत फीस बढा दी गयी है जोकि सीधे-सीधे तानाशाही रवैया

अपनाया है। जिसको बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

उनका कहना था कि यह अभिभावको का सीधे सीधे उत्पीडन किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान वहां काफी भीड एकत्रित हो गयी जिससे रास्ता जाम हो गया। आने जाने वाले लोग भी अभिभावकों का समर्थन करते देखे गये। लोगों का भी सही कहना था कि अभिभावकों की मांग जायज है। प्रदर्शन देर सांय तक चलता रहा। फोन पर सम्पर्क करने पर एक अभिभावक का कहना मानकों के अनुसार प्रत्येक स्कूल तीन वर्ष में एक बार फीस बढा सकता है वह भी 10 प्रतिशत लेकिन यहां तो एन मेरी स्कूल प्रबंधक के द्वारा तानाशाही रवैया अपनाते हुए एक दम 30 से 40 प्रतिशत फीस बढा दी गयी है जोकि अभिभावकों पर सीधे-सीधे आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। देर सांय तक प्रदर्शन जारी रहा।

मुठभेड़ों पर आलोचनात्मक टिप्पणियां

यूपी में एनकाउंटर कोई नई घटना नहीं है। पहले भी कुछ मौकों पर विपक्ष ने मुठभेड़ों पर सवाल उठाए हैं। यहां तक कि न्यायपालिका ने आलोचनात्मक टिप्पणियां की हैं। लेकिन आम तजुर्बा है कि यूपी सरकार पर कोई असर नहीं होता। उत्तर प्रदेश में एनकाउंटर (जिनके बारे में आरोप है कि उनमें ज्यादातर फर्जी होते हैं) और बुल्डोजर राज इतना आम फहम हो गया है कि उनसे कानून के राज के ध्वस्त होने को लेकर आशंकाएं गहराती चली गई हैं। देखा गया है कि मोटे तौर पर ऐसी कार्रवाइयों के निशाने पर अल्पसंख्यक समुदाय के लोग होते हैं। चूंकि उनसे सहानुभूति जताना आज राजनीतिक रूप से घाटे का सौदा माना जाता है, इसलिए उनसे जुड़ी घटनाओं पर सियासी दायरे में कोई बड़ा शोरगुल नहीं होता। इसको लेकर सवाल तभी उठते हैं, जब इनका निशाना राजनीतिक रूप से किसी रसूखदार समुदाय का व्यक्ति बने।

ऐसे ही सवाल अभी उत्तर प्रदेश में गर्म हैं। राज्य के सुल्तानपुर जिले में 28 अगस्त को एक गहने की दुकान में डकैती हुई, जिसमें करीब दो करोड़ रुपये के कीमती सामान लूट लिए गए। पुलिस ने धर-पकड़ शुरू की।छह दिन बाद एक मुठभेड़' में तीन लोगों को घायल कर गिरफ्तार कर लिया। अगले दिन यानी चार सितंबर को एक व्यक्ति ने अदालत में समर्पण कर दिया।

छह सितंबर को यूपी की स्पेशल टास्क फोर्स ने मंगेश यादव नाम के एक अभियुक्त को मुठभेड़ में मार गिराया। मंगेश के परिजनों का आरोप है कि दो दिन पहले उसे एसटीएफ वाले पूछताछ के लिए घर से उठा ले गए थे और फिर मुठभेड़ में उसके मारे जाने की खबर आई। परिजनों का आरोप है कि यह एनकाउंटर नहीं बल्कि हत्या है। उसके बाद से राज्य में एनकाउंटर को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के अलावा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी इस मामले में राज्य की योगी सरकार पर निशाना साधा है। लेकिन यूपी में एनकाउंटर कोई नई घटना नहीं है। पहले भी कुछ मौकों पर विपक्ष ने मुठभेड़ों पर सवाल उठाए हैं। यहां तक कि न्यायपालिका ने आलोचनात्मक टिप्पणियां की हैं। लेकिन आम तजुर्बा है कि यूपी सरकार पर कोई असर नहीं होता। उलटे सरकार एनकाउंटर करने वालों को पुरस्कार देती रही है। आरोप है कि यूपी सरकार ने एनकाउंटर को राजकीय नीति बना रखा है और वह बेहिचक इसको आगे बढ़ा रही है। (आरएनएस)

तमिलनाडु भाषा विवाद में पवन कल्याण की एंट्री

भाषा विवाद में उतरते हुए आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तमिलनाडु पर पाखंड का आरोप लगाते हुए कहा कि इसके नेता वित्तीय लाभ के लिए तमिल फिल्मों को हिंदी में डब करने की अनुमति देते हैं, लेकिन भाषा का विरोध करते हैं। अपनी पार्टी के स्थापना दिवस पर बोलते हुए जनसेना प्रमुख ने कहा कि देश की अखंडता के लिए भारत को तमिल सहित कई भाषाओं की आवश्यकता है।

जनसेना नेता ने कहा, तमिलनाडु में लोग हिंदी थोपे जाने का विरोध करते हैं। इससे मुझे आश्चर्य होता है कि अगर वे हिंदी नहीं चाहते तो वित्तीय लाभ के लिए तमिल फिल्मों को हिंदी में क्यों डब करते हैं? वे बॉलीवुड से पैसा चाहते हैं लेकिन हिंदी को स्वीकार करने से इनकार करते हैं। यह कैसा तर्क है?

कल्याण ने इस बात पर भी जोर दिया कि तमिलनाडु की ओर से उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे हिंदी भाषी राज्यों से आए मजदूरों का स्वागत करना और उनकी भाषा को अस्वीकार करना अनुचित है। तमिलनाडु में हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल से बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर रहते हैं, एक सर्वेक्षण के अनुसार यह संख्या 15.2० लाख के बीच है।

उन्होंने आगे कहा, वे उत्तर प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ जैसे हिंदी भाषी राज्यों से राजस्व चाहते हैं, फिर भी वे कहते हैं कि उन्हें हिंदी नहीं चाहिए। क्या यह अनुचित नहीं है? वे बिहार से आने वाले श्रमिकों का स्वागत करते हैं, लेकिन भाषा को अस्वीकार करते हैं। यह विरोधाभास क्यों है? क्या इस मानसिकता को नहीं बदलना चाहिए?

कल्याण की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और डीएमके शासित तमिलनाडु के बीच नई शिक्षा नीति के एक हिस्से तीन-भाषा फार्मूले को लेकर तीखी नोकझोंक चल रही है।

विवाद तब और बढ़ गया जब केंद्र ने तमिलनाडु की समग्र शिक्षा योजना के लिए 2,152 करोड़ रुपये रोक दिए, क्योंकि राज्य ने एनईपी को लागू करने से इनकार कर दिया था।

तमिलनाडु लंबे समय से तीन-भाषा फॉर्मूले को राज्य पर हिंदी थोपने के प्रयास के रूप में देखता रहा है, जबकि केंद्र का कहना है कि इस नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि युवाओं को सभी क्षेत्रों में रोजगार मिले।(आरएनएस)

घर को प्राकृतिक रूप से महकाने में मदद कर सकते हैं पौधे

घर को महकाने के लिए लोग तरह-तरह के रूम फ्रेशनर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन ये काफी महंगे होते हैं और इनकी आर्टिफीशियल खुशबू स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचा सकती है, इसलिए इनके इस्तेमाल से बचें। आप चाहें तो खूशबूदार पौधे लगाकर अपने घर को प्राकृतिक रूप से महका सकते हैं। आइए आज हम आपको पांच ऐसे पौधों के बारे में बताते हैं, जो घर की सुंदरता में इजाफा करने के समेत खूशबू फैलाने में भी मदद कर सकते हैं।

पैशन फ्लावर्स का पौधा

यह पौधा न सिर्फआपके घर को एक हल्की सुगंध से भर देता है बल्कि इसके फूल भी घर की खूबसूरती को बढ़ा देते हैं। रूम फ्रेशनर के लिए एक आदर्श प्राकृतिक विकल्प इस पौधे के फूल गर्मियों में खिलना शुरू करते हैं और सर्दियों तक ठीक रहते हैं। इस पौधे को आप घर के अंदर और बाहर दोनों तरफ लगा सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि यह पौधा अतिरिक्त देखभाल की मांग करता है।

गार्डेनिया का पौधा

गार्डेनिया एक विदेशी पौधा है, जिसकी खूशबू आपके घर को महकाने के साथ-साथ अरोमाथेरेपी का काम करके आपको तनाव, चिंता आदि से छुटाकारा दिला सकती है। तेज खुशबू वाला यह सफेद रंग के फूल से भरा पौधा दिमाग को शांत रखने में मदद करता है, जिससे आपको सुकून की नींद आराम से मिल सकती है। अगर आप इस पौधे को बैडरूम में रखते हैं तो यह आपके कमरे को महकाने लगेगा, जिसके जरिए आपको कई तरह स्वास्थ्य लाभ मिलेंगे।

चमेली का पौधा

चमेली पौधा अपनी खुशबू और सुंदर सफेद रंग के फूलों के लिए जाना जाता है। यह एक बारहमासी पौधा है क्योंकि इसके फूल पूरे साल खिलते हैं। इस पौधे को हल्की धूप वाली जगह पर रखना सुरक्षित है। वहीं, इसके गमले में पर्याप्त मात्रा में पानी जरूर डालें। आपको गर्मियों के दौरान इस पौधे में ज्यादा पानी डालना पड़ सकता है। जब भी इसके गमले की मिट्टी एक इंच तक सूखी लगे, तब इसे पानी दें।

लैवेंडर का पौधा

लैवेंडर का पौधा भी आपके घर को प्राकृतिक रूप से महका सकता है। वहीं, इसका इस्तेमाल भी अरोमाथेरेपी के लिए किया जाता है। इससे हमारा मतलब है कि इस पौधे की सुगंध दिमाग को सुकून देने में सहायक मानी जाती है। इस पौधे को भी ज्यादा केयर की जरुरत नहीं होती है। बस इसको खुली जगह पर रखकर इसमें तीन-चार दिन में एक बार पानी डालना होता है। हालांकि, ध्यान रखें कि इस पर धूप पडना भी जरूरी है।

लेमनग्रास का पौधा

लेमनग्रास भी एक सुगंधित पौधा है, जिसकी पत्तियां ही आपके घर को प्राकृतिक रूप से महकाने का काम कर सकती हैं। वहीं, इस पौधे की पत्तियों का इस्तेमाल आप चाय के लिए कर सकते हैं क्योंकि इसके सेवन से ताजगी महसूस होती है। यह एक ऐसा रिफ्रेशिंग पौधा है, जिसको आप घर में किसी मिट्टी के गमले में आसानी से लगा सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि यह पौधा अतिरिक्त देखभाल की मांग करता है।

अगर अंडे उबालते समय पानी में टूट या फट जाएं तो ये ट्रिक्स आजमाएं

अंडे खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता हैं। बता दें, अंडे में प्रोटीन 9 प्रकार के आवश्यक अमीनो एसिड, आयरन, विटामिन बी, डी और अन्य पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। इसलिए, अंडे हर कोई खा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे बच्चों को भी अंडा खिलाना बहुत अच्छा होता है। इससे उन्हे पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व मिलते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ का कहना है कि उबले अंडे सबसे स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों में से एक हैं। जब आप उन पर थोड़ा नमक और काली मिर्च छिडक़ते हैं, तो उनका स्वाद बहुत अच्छा लगता है। लेकिन कई बार अंडे उबालते समय टूट जाते हैं। इससे बचने के लिए अंडे उबालते समय कुछ सावधानियां बरतनी जरूरी है। ऐसा करने से न सिर्फ अंडे का छिलका निकालना आसान होगा, बल्कि अंडे में मौजूद जरूरी पोषक तत्व भी बरकरार रहेंगे और स्वाद भी बहुत अच्छा रहता है। खबर में जानें अंडे उबालते समय क्या सावधानियां बरतनी जरूरी है।

अंडे उबालते समय इन टिप्स को फॉलो करें।।।

अंडे उबालते समय आपको उनके लिए एक बड़ा कटोरा इस्तेमाल करना चाहिए। कटोरे में इतना पानी डालें कि अंडे पूरी तरह डूब जाएं। इससे अंडे एक दूसरे को छूने से बचेंगे। इस तरह वे टूटेंगे नहीं।

जिस कटोरे में आप अंडे उबाल रहे हैं, उसमें पानी में एक चम्मच नमक डाल दें। ऐसा करने से अंडे टूटने से बचेंगे। नमक के पानी में अंडे उबालने से उन्हें छीलना आसान हो जाता है।

साथ ही, कई लोग अंडे को फ्रिज में रखते हैं। सीधे खाना पकाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ऐसा कभी न करें। सबसे पहले, उन्हें कमरे के तापमान पर लाएं। इसके बाद उन्हें उबालना चाहिए। अगर आप ठंडे अंडे को सीधे गर्म पानी में उबालेंगे, तो उनके टूटने की संभावना बहुत ज्यादा रहेगी।

अंडे को कभी भी उबलते पानी के बर्तन में न डालें। अगर आप ऐसा करेंगे, तो अंडा पानी में फट जाएगा। एक कटोरे में 3 या 4 से ज्यादा अंडे न उबालें। इस तरह से भी उनके फटने की संभावना रहती है। अंडे उबालते समय कभी भी आंच तेज ना रखें, हमेशा मध्यम आंच पर उबालें। अगर आप ऐसा करेंगे, तो वे नहीं टूटेंगे। करीब 15 मिनट तक अंडे पानी में उबालने के बाद गैस बंद कर दें। अब अंडों को गर्म पानी से निकालकर ठंडे पानी में डाल दें और करीब 1० मिनट बाद उन्हें छील लें। ऐसा करने से अंडा बिना टूटे आसानी से बाहर आ जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, उबले अंडे खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। रिसर्च के अनुसार, एक उबले अंडे में छह ग्राम हाई क्वालिटी वाला प्रोटीन होता है। यह मांसपेशियों की बढ़ोतरी के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक के साथ-साथ विटामिन ए, विटामिन डी और विटामिन बी 12 भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इनमें एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं।

उबले अंडे में कैलोरी कम और प्रोटीन तथा अन्य पोषक तत्व अधिक होते हैं। जो लोग अपना वेट कम करना चाहते हैं उनके लिए यह एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, पहर रोज एक उबला अंडा खाने से वजन कंट्रोल में मदद मिलती है।

प्रतीक गांधी और पत्रलेखा की फिल्म फुले को मिली रिलीज तारीख

भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की इस जयंती पर डांसिंग शिवा फिल्म्स, किंग्समेन प्रोडक्शंस और हम 11 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में फिल्म फुले की दुनिया भर में रिलीज कर रहे हैं, जो ज्योतिराव फुले की 197 वीं जयंती है। फिल्म फुले में प्रतीक गांधी और पत्रलेखा अहम भूमिका निभाई है। यह फिल्म भारतीय सामाजिक सुधार आंदोलन के दो प्रमुख व्यक्तियों महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन और विरासत की कहानी को दर्शाएगी। प्रतीक गांधी और पत्रलेखा की बहुप्रतीक्षित फिल्म फुले को आखिरकार रिलीज की तारीख मिल गई है। समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव और सावित्रीबाई फुले के जीवन और कार्यों पर आधारित यह फिल्म इस साल 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज की तारीख ज्योतिराव की 197वीं जयंती के साथ भी मेल खाती है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता अनंत महादेवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में प्रतीक गांधी महात्मा ज्योतिराव फुले और पत्रलेखा उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले की भूमिका में नजर आएंगे। जी स्टूडियोज ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म के घोषणा पोस्टर को कैप्शन के साथ शेयर किया है और लिखास भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की इस जयंती पर, डांसिंग शिवा फिल्म्स, किंग्समेन प्रोडक्शंस और हम 11 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में फिल्म फुले की विश्वव्यापी रिलीज की घोषणा करने के लिए एक साथ आ रहे हैं, जो ज्योतिराव फुले की 197वीं जयंती का प्रतीक है।

यह फिल्म महात्मा ज्योतिराव और सावित्रीबाई फुले की प्रेरणादायक सफर को दर्शाती है, जिनके भारत में शिक्षा और सामाजिक समानता के क्षेत्र में किए गए काम ने एक स्थायी विरासत छोड़ी है। सावित्रीबाई फुले के रूप में अपनी भूमिका पर पत्रलेखा ने अपनी खुशी जाहिर की और कहा, मैं इस फिल्म में सावित्रीबाई फुले का किरदार निभाने के लिए बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। ज्योतिराव फुले के साथ, उन्होंने भारत में आधुनिक शिक्षा और सामाजिक समानता की नींव रखी। आज उनकी जयंती पर, हम फुले की रिलीजा का एलान करें। मैं रोमांचित हूं कि दर्शक जल्द ही बड़े पर्दे पर उनकी प्रेरणादायक सफर देख सकेंगे। भारतीय इतिहास की महान समाज सुधारक सावित्रिबाई फुले का जन्म आज ही के दिन 1831 में महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगांव में हुआ था। सावित्रिबाई ने 1848 में पुणे के भिड़े वाड़ा में देश का पहला गर्ल्स स्कूल खोला था। सावित्रिबाई फुले ने पुरुष प्रधान समाज का विरोध करते हुए घर-घर जाकर लोगों को बच्चियों को पढ़ाने के लिए प्रेरित किया। 10 मार्च 1897 को सावित्रिबाई का प्लेग की वजह से निधन हो गया था। (आरएनएस)

प्रतिस्पर्धी बने सहायक

भारत के दूरसंचार बाजार में लगभग ड्यूपॉली (द्वि-अधिकार) की स्थिति है। रिलायंस जियो और भारती एयरटेल का बाजार के ज्यादातर हिस्से पर कब्जा है। इन्हें प्रतिस्पर्धी कंपनियां समझा जाता है। सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के क्षेत्र में इलॉन मस्क की कंपनी स्पेस-एक्स के उतरने की संभावना के बीच अपेक्षा थी कि दोनों कंपनियां आपसी प्रतिस्पर्धा जारी रखते हुए स्पेस-एक्स की स्टारलिंक सेवा के साथ होड़ करेंगी। मगर अब सूरत यह है कि भारत में उपग्रह इंटरनेट सेवा शुरू होने के पहले ही उसमें स्टारलिंक की मोनोपॉली (एकाधिकार) कायम हो गई है। जिन कंपनियों से प्रतिस्पर्धा की अपेक्षा थी, वे स्पेस-एक्स की सहायक बन गई हैं।

दोनों कंपनियों ने स्पेस-एक्स से जो करार किया, उससे साफ है कि ये भारतीय बाजार में स्टारलिंक सेवा प्रदान करने वाली एजेंसी की भूमिका में होंगी। इसीलिए इन कंपनियों के बीच हुए करार को आश्चर्यजनक घटना माना गया है। जियो भारत में सबसे बड़ा टेलीकॉम ऑपरेटर है। अनुमान है कि उसके 48 करोड़ से अधिक यूजर हैं। अब वह अपने रिटेल स्टोरों में स्टारलिंक के उपकरण का स्टॉक करेगी। उसके हजारों आउटलेट्स का उपयोग स्टारलिंक अपने प्रत्यक्ष वितरण केंद्र के रूप में करेगी। इसी भूमिका में एयरटेल भी होगी। यहां याद करना उचित होगा कि सैटेलाइट इंटरनेट के स्पेक्ट्रम आवंटन को लेकर मस्क और भारतीय कंपनियों के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई थी।

रिलायंस चाहती थी कि सेटेलाइट ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम की नीलामी हो। मस्क की कंपनी का तर्क था कि स्पेक्ट्रम का आवंटन प्रशासनिक रूप से किया जाए। लेकिन अब सारा विवाद दूर हो गया है। वह भी तब, जबकि भारत सरकार ने स्पेक्ट्रम का आवंटन किया नहीं है। वैसे मीडिया कयास के मुताबिक इन करार के पीछे भारत और अमेरिका की सरकारों ने भी परोक्ष भूमिका निभाई है। इस घटनाक्रम से भारतीय पूंजीवाद के रूप पर नई बहस खड़ी होगी। भारत के 'राष्ट्रीय चैंपियन' इतनी सहजता और स्वेच्छा से बहुराष्ट्रीय कंपनी के सहायक की भूमिका को स्वीकार कर सकते हैं, तो उनके राष्ट्रीय चरित्र एवं भूमिका से जुड़े सवाल खड़े होंगे। इससे भारत उदय की सारी कथा पर नए सिरे से सोचने की परिस्थिति पैदा होगी।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

रोजाना कुछ मिनट करें वृक्षासन, मिल सकते हैं ये फायदे

वृक्षासन योग का एक अहम आसन है, जो आपके शरीर को संतुलित और मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। यह आसन न केवल मानसिक शांति प्रदान करता है बल्कि शारीरिक फिटनेस के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे वृक्षासन आपके दिनचर्या का हिस्सा बन सकता है और आपके फिटनेस लक्ष्यों को हासिल करने में मदद कर सकता है।

संतुलन बढ़ाने में है सहायक

वृक्षासन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आपके शरीर के संतुलन को बेहतर बनाता है।

जब आप एक पैर पर खड़े होते हैं और दूसरे पैर को घुटने तक उठाते हैं तो इससे आपकी मांसपेशियों की मजबूती बढ़ती है।

नियमित रूप से इस आसन का अभ्यास करने से आपका ध्यान केंद्रित होता है और मानसिक स्थिरता मिलती है।

अगर आप अपने शरीर के संतुलन पर काम करना चाहते हैं तो वृक्षासन एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

मांसपेशियों की मजबूती के लिए अपनाएं वृक्षासन

वृक्षासन आपकी पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

जब आप इस आसन को करते हैं, तो आपकी जांघों, पिंडलियों और टखनों की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं। इससे न केवल आपकी ताकत बढ़ती है बल्कि चोट लगने की संभावना भी कम होती है।

अगर आप जिम में वजन उठाने या कार्डियो एक्सरसाइज कर रहे हैं तो वृक्षासन आपके वर्कआउट रूटीन का अहम हिस्सा बन सकता है।

मानसिक शांति पाने के लिए करें वृक्षासन

जिम जाने वाले कई लोग तनाव और चिंता से ग्रस्त होते हैं। ऐसे में वृक्षासन आपको मानसिक शांति प्रदान कर सकता है।

जब आप इस आसन को करते हैं, तो गहरी सांसें लेने से आपका मन शांत होता जाता है और तनाव कम होता जाता है।

इसके अलावा यह ध्यान केंद्रित करने

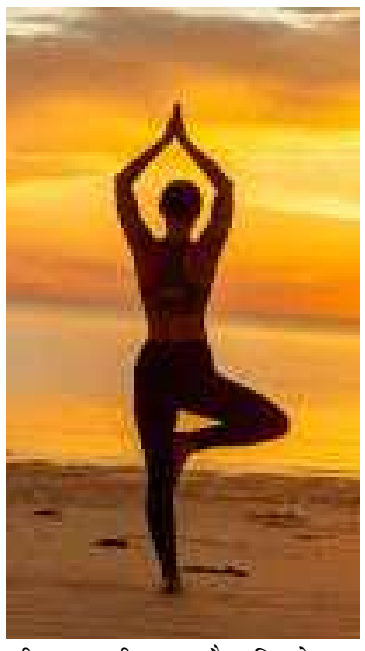

की क्षमता भी बढ़ाता है , जिससे आप अपने फिटनेस लक्ष्यों पर बेहतर तरीके से ध्यान दे सकते हहैं ।

लचीलापन बढ़ाने के लिए अपनाएं वृक्षासन

वृक्षासन आपके शरीर के लचीलेपन को भी सुधारता है ।

जब आप इसे नियमित रूप से करते हैं तो आपकी रीढ़ की हड्डी सीधी रहती है, जिससे पीठ दर्द जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है।

इसके अलावा यह कंधों और कूल्हों की गतिशीलता भी बढ़ाता है, जो अन्य एक्सरसाइजों या खेल गतिविधियों में सहायक हो सकता है।

ऊर्जा स्तर बढ़ाने के लिए करें वृक्षासन

अगर आपको दिनभर थकान महसूस होती है तो सुबह-सुबह कुछ मिनटों तक वृक्षासन करना फायदेमंद हो सकता है।

इससे न केवल आपका ऊर्जा स्तर बढ़ेगा बल्कि पूरे दिन ताजगी महसूस होगी। इसके साथ ही यह रक्त संचार सुधारने में मदद करता है, जिससे शरीर अधिक सक्रिय रहता है।

इस प्रकार अगर आप अपने फिटनेस लक्ष्यों को हासिल करना चाहते है तो अपने जिम रूटीन में नियमित रूप से वृक्षासन शामिल करें हेहे ।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -73

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समासि, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

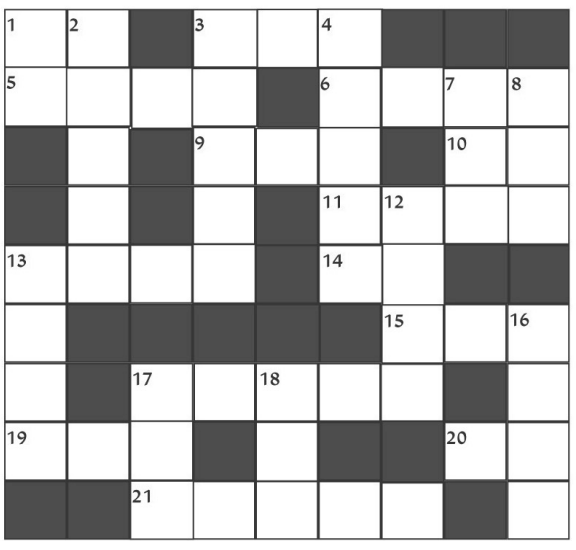

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 72 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	र्म			ज	र	दा		

फिर साथ आए ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल!

ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल अभिनीत जिंदगी ना मिलेगी दोबारा अपनी रिलीज के 13 साल बाद भी प्रशंसकों की पसंदीदा बनी हुई है। जबकि दर्शक जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं, इस बीच अब ऋतिक, फरहान और अभय हाल ही में फिर से साथ आए, लेकिन दुख की बात है कि सीक्वल के लिए नहीं।

ऋतिक, फरहान और अभय यास आइलैंड के साथ एक विशेष सहयोग के लिए फिर से साथ आए। तीनों ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर साझा की और एक संयुक्त पोस्ट में लिखा, समय लगा, लेकिन आखिरकार हमने यस कहा- जिंदगी को यस बोल। प्रशंसकों ने इस पोस्ट पर उत्साह के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की, हालांकि कई लोगों ने अनुमान लगाया कि यह सहयोग किसी विज्ञापन के लिए था।

इस साल की शुरुआत में फरहान ने ऋतिक और अभय के साथ एक रेस्तरां में बैठे हुए एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में अभय को एक किताब को घूरते हुए देखा गया था। ऋतिक ने भी उसी किताब को देखते हुए कहा, अविश्वसनीय, जबकि फरहान ने कहा, शानदार। जिस किताब को तीनों देख रहे थे, वह थी द थ्री मस्किटर्स, जो फ्रांसीसी लेखक एलेक्जेंडर डुमास का क्लासिक एडवेंचर उपन्यास है।

फरहान अख्तर ने इस पोस्ट में अपनी बहन और फिल्म निर्माता जोया अख्तर को टैग किया। कैप्शन में उन्होंने लिखा, जोया अख्तर क्या आपको ये संकेत दिख रहे हैं? बैकग्राउंड में फरहान ने प्रतिष्ठित जिंदगी ना मिलेगी दोबारा का गाना सेनोरिटा जोड़ा गया था, जिससे प्रशंसक पुरानी यादों में खो गए। जिंदगी ना मिलेगी दोबारा में कैटरीना कैफ और कल्कि कोचलिन भी थीं। इस फिल्म का निर्देशन जोया अख्तर ने किया था और एक्सेल एंटरटेनमेंट के तहत फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने इसका निर्माण किया था।

त्रिशा कृष्णन ने गुड बैड अग्ली में राम्या की भूमिका निभाने तैयार

अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन, जो 'पोन्नियिन सेल्वन', 'लियो', '96' और अन्य फिल्मों के लिए जानी जाती हैं, आगामी फिल्म 'गुड बैड अग्ली' में राम्या की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। फिल्म के निर्माताओं ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपने फॉलोअर्स के साथ यह खबर साझा की। 'गुड बैड अग्ली' एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन आदिक रविचंद्रन ने किया है और इसका निर्माण मैथ्री मूवी मेकर्स और टी-सीरीज फिल्म्स ने किया है।

इस फिल्म में अजित कुमार, प्रभु, प्रसन्ना, अर्जुन दास, सुनील, राहुल देव, योगी बाबू और शाइन टॉम चाको भी हैं। फिल्म की घोषणा 2023 के अंत में वर्किंग टाइटल एके63 के तहत की गई थी, क्योंकि यह अजित की मुख्य अभिनेता के रूप में 63वीं फिल्म है, और आधिकारिक शीर्षक की घोषणा मार्च 2024 में की गई थी।

मुख्य फोटोग्राफी अगले मई में हैदराबाद में शुरू हुई, साथ ही स्पेन में छिटपुट कार्यक्रम भी हुए, और दिसंबर की शुरुआत में इसे पूरा किया गया। फिल्म का संगीत जी. वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है। इससे पहले, अभिनेत्री ने साझा किया था कि 'बृंदा' के बारे में उन्हें क्या दिलचस्पी थी, जो उनकी ओटीटी सीरीज़ की शुरुआत थी। बृंदा में वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जो उनके लिए पहली बार है। उन्होंने बताया कि उन्होंने फ्लाइट में स्क्रिप्ट के पन्नों को खंगाला।

इस सीरीज में इंद्रजीत सुकुमारन, जया प्रकाश, आमानी, रवींद्र विजय, आनंद सामी, राकेन्दु मौली और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं, जिसमें ड्रामा, अपराध और रहस्य के तत्वों को एक साथ पिरोया गया है, जो एक मनोरंजक देखने का अनुभव प्रदान करता है।

इस सीरीज की पटकथा सूर्या मनोज वंगाला और पद्मावती मल्लाडी ने लिखी है, जिसका संगीत शक्तिकांत कार्तिक ने दिया है और प्रोडक्शन डिजाइनर अविनाश कोल्ला हैं। सूर्या मनोज वंगाला द्वारा लिखित और निर्देशित तथा एडिंग एडवरटाइजिंग एलएलपी के बैनर तले आशीष कोल्ला द्वारा निर्मित बृंदा सोनी लिव पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

स्टाइलिश साड़ी पहन एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने दिखाई दिलकश अदाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड और किलर लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका ब्यूटिफुल और ग्लैमरस अवतार देखकर लोग उनकी तस्वीरों पर से नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से सोशल मीडिया का पारा हाई करती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने पिंक कलर की नेट लुक में साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो कैमरे के सामने एक से बढक़र एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

ओपन हेयर, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

एक यूजर ने एक्ट्रेस की फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे ने लिखा है- बेहद स्टनिंग। तीसरे ने लिखा है- ब्यूटिफुल। अन्य यूजर ने लिखा है- बेहद शानदार। वहीं, कुछ यूजर्स हार्ट बनाकर रिएक्शंस दे रहे हैं।(आरएनएस)

दक्षिण भारतीय फिल्म में डेब्यू के लिए तैयार सोनाक्षी सिन्हा

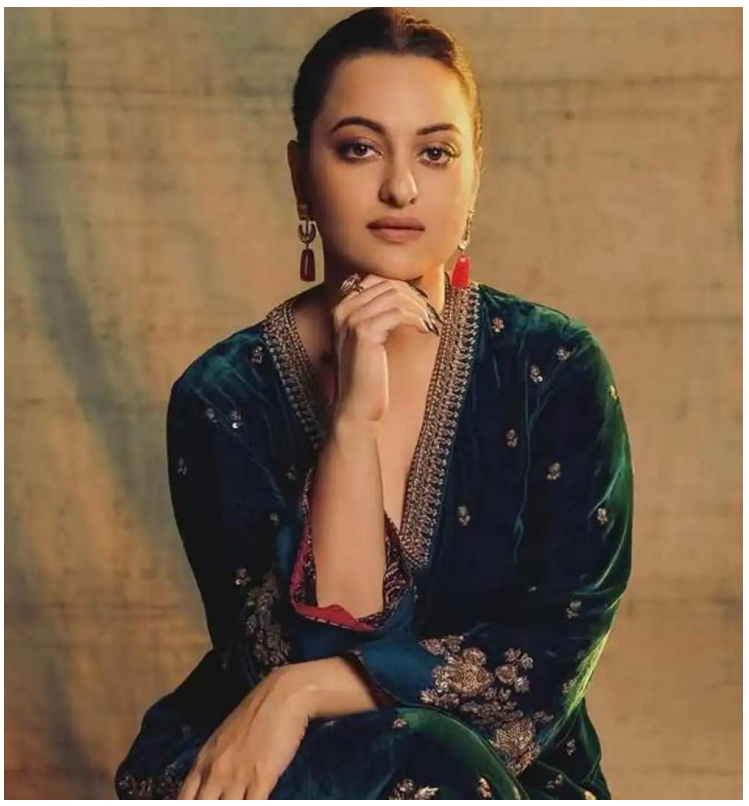

बॉलीवुड में 'दबंग', 'तेवर' जैसी फिल्में देने वाली अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। जानकारी के अनुसार अभिनेत्री तेलुगू भाषा की फिल्म 'जटाधारा' में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होगी।

'जटाधारा' में सुधीर बाबू भी हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। इंडस्ट्री के सूत्रों ने अभिनेत्री के फिल्म में शामिल होने के संकेत दिए हैं। फिल्म में सोनाक्षी को एक मजबूत और अलग तरह की भूमिका के लिए चुना गया है।

अपकमिंग फिल्म 'जटाधारा' के बारे में बता दें, फिल्म का मुहूर्त पूजन हाल ही में हैदराबाद के एक मंदिर में किया गया। धूमधाम से आयोजित समारोह में मुख्य अतिथियों के तौर पर निर्देशक हरीश शंकर, 'पुष्पा 2= द रूल' के निर्माता रवि शंकर समेत फिल्म जगत के अन्य सितारे शामिल हुए।

मुहूर्त पूजन में निर्देशक वेंकी अटलूरी, निर्देशक मोहना इंद्रगांती, शिल्पा शिरोधाकर समेत अन्य ने शिरकत की।

'जटाधारा' एक्शन और सस्पेंस से भरपूर मनोरंजक फिल्म है, जिसमें अभिनेता सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में हैं। 'जटाधारा' की पौराणिक कथाओं के साथ कहानी को निर्माताओं ने मनोरंजक मोड़ दिया है।

फिल्म के बारे में सुधीर बाबू ने कहा, मैं इस नई यात्रा के लिए रोमांचित हूं। जटाधारा का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। मैं इस किरदार को निभाने के लिए उत्साहित हूं। स्क्रिप्ट में हमारी समृद्ध पौराणिक मान्यताओं को वैज्ञानिक तथ्यों के साथ सहजता से जोड़ा गया है, जो दर्शकों के लिए एक बेहतरीन और नया अनुभव लेकर आएगा और मेरा मानना है कि यह दर्शकों पर एक खास प्रभाव छोड़ेगा।

'जटाधारा' के मुहूर्त समारोह में जी स्टूडियो के प्रस्तुतकर्ता उमेश के.आर. बंसल और प्रेरणा वी. अरोड़ा भी शामिल हुईं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा के पास 'जटाधारा' के अलावा 'तू है मेरी किरण' भी है, जिसमें वह पति-अभिनेता जहीर इकबाल के साथ नजर आएंगी। सोनाक्षी सिन्हा के पास 'निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस' भी है।

भारत के आर्थिक विकास में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की भूमिका

लव कुमार मिश्रा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने देश भर में कोयला, बिजली, सीमेंट और स्टील जैसे प्रमुख संसाधनों की आवाजाही को सुगम बनाकर भारत की आर्थिक समृद्धि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2003 में अपनी स्थापना के बाद से, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने बिलासपुर में इस क्षेत्र का उद्घाटन किया था, तब से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे माल और यात्री दोनों की आवाजाही को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरा है। बिलासपुर में मुख्यालय वाला दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा जैसे खनिज समृद्ध राज्यों में परिचालन करता है। यह केंद्रीय रूप से स्थित क्षेत्र कोयले के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है, जो इसके तत्काल भौगोलिक क्षेत्र से परे थर्मल पावर प्लांट और उद्योगों का समर्थन करता है। आवश्यक संसाधनों का निरंतर प्रवाह सुनिश्चित करके इस रेल्वे ने औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

हाल के वर्षों में, भारत के तेजी से बुनियादी ढांचे के विकास और बिजली, सीमेंट, कोयला और इस्पात क्षेत्रों के विस्तार ने कच्चे माल के परिवहन की मांग को बढ़ा दिया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने कोयले और अन्य खनिजों की आवाजाही का सफलतापूर्वक प्रबंधन करते हुए इस मांग को प्रभावी ढंग से पूरा किया है। यह देश की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने में सहायक रहा है। इस उपलब्धि के बावजूद, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने बुनियादी ढांचे का विस्तार करने और खनिज परिवहन क्षमता, विशेष रूप से कोयला में सुधार करने के लिए नए रास्ते तलाशना जारी रखता है। भारी माल ढुलाई के साथ-साथ यात्री यातायात में लगातार 5 प्रतिशत की वृद्धि को प्रबंधित करने की चुनौती के बावजूद, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए यात्री सेवाएँ भी प्राथमिकता बनी हुई हैं।

यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए त्यौहारों के मौसम में विशेष ट्रेनें चलाई जाती हैं और मौजूदा ट्रेनों में अक्सर अतिरिक्त कोच जोड़े जाते हैं। निर्बाध यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए समय की पाबंदी में सुधार के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

अपने बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सक्रिय रूप से अमृत भारत स्टेशन योजना को लागू कर रहा है, जिसका उद्देश्य यात्री सुविधाओं और परिचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए प्रमुख स्टेशनों का पुनर्विकास करना है। इस पहल के तहत बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग जैसे प्रमुख स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास किया जा रहा है। बिलासपुर स्टेशन के परिवर्तन पर 392 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है, जिसमें बेहतर प्रवेश बिंदु, स्थानीय कला को एकीकृत करने वाली विरासत से प्रेरित वास्तुकला और सौर पैनल और वर्षा जल संचयन जैसी टिकाऊ सुविधाएँ शामिल हैं। स्टेशन पर 26 लिफ्ट और 26 एस्केलेटर होंगे, जिससे पहुंच में काफी सुधार होगा।

463 करोड़ के बजट के साथ रायपुर स्टेशन का पुनर्विकास, भविष्य की मेट्रो कनेक्टिविटी और बेहतर बस स्टेशन पहुंच के लिए प्रावधानों को एकीकृत करता है। विस्तारित पार्किंग सुविधाएं और दिव्यांगों के अनुकूल सुविधाएं पुनर्निर्मित स्टेशन की मुख्य विशेषताएं हैं।

441 करोड़ की लागत से अपग्रेड किए जाने वाले दुर्ग स्टेशन में हेरिटेज थीम वाली डिजाइन, आधुनिक सुविधाएं और ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन की सुविधा होगी। इसका विस्तारित लेआउट यात्रियों के लिए अधिक सुविधा सुनिश्चित करेगा।

इन प्रमुख केंद्रों के अलावा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे 567 करोड़ के बजट से 46 अतिरिक्त स्टेशनों का आधुनिकीकरण कर रहा है। रायगढ़, कोरबा, अंबिकापुर, भिलाई नगर, राजनांदगांव, गोंदिया और छिंदवाड़ा जैसे प्रमुख स्टेशन इस पहल का हिस्सा हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना यात्रियों के अनुभव को बदलने का वादा करती है, जिसमें आधुनिक प्रतीक्षा क्षेत्र, सीसीटीवी कवरेज के साथ बढ़ी हुई सुरक्षा और बेहतर स्वच्छता सुविधाएं शामिल हैं। स्थायी प्रथाओं को अपनाने और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने के ज़रिए, यह योजना प्रगति और दक्षता के प्रतीक के रूप में भारतीय रेलवे की भूमिका को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

(लेखक एक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से कितनी देर सोना चाहिए ?

बच्चे के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। अगर बच्चे सही से सोते हैं तो उनका दिमाग बेहतर तरीके से काम करता है और उनका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। वह एक्टिव भी रहते हैं। हालांकि, कई माता-पिता यह नहीं जानते कि उनके बच्चों को दिन में कितनी देर सोना चाहिए। क्योंकि बहुत से माता-पिता अपने बच्चों को कम या ज्यादा समय तक सुलाते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से कितनी देर सोना चाहिए। खबर के माध्यम से जानते हैं कि बच्चों को कब और कितनी देर तक सोना चाहिए।।।

बच्चों को उनकी उम्र के अनुसार से कितनी देर सोना चाहिए

नवजात शिशु (0-3 महीने)= नवजात शिशुओं को भरपूर नींद की जरूरत होती है। उन्हें दिन में 14 से 17 घंटे सोना चाहिए। यह नींद सिर्फ दिन और रात में ही आती है, और सिर्फ थोड़े समय के लिए। नवजात शिशु जितना ज्यादा सोते हैं, वे उतने ही स्वस्थ होते हैं।

शिशु (4-12 महीने)= इस उम्र के बच्चों को 12 से 16 घंटे की नींद लेनी चाहिए। दिन में 2 से 3 बार छोटी-छोटी झपकी लेना जरूरी है। अच्छी नींद बच्चों के तेज़ी से विकास में मदद करती है।

छोटे बच्चे (1-2 वर्ष)= बच्चों को प्रतिदिन 11 से 14 घंटे सोना चाहिए। इस उम्र में दिन में उचित नींद लेना आवश्यक है। इस उम्र के बच्चों को भी अधिक नींद की जरूरत होती है।

प्रीस्कूलर (3-5 वर्ष)=इस आयु के बच्चों को 10 से 13 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है। इस आयु में कई बच्चों को दिन में नींद आना कम हो जाता है। हालांकि, पर्याप्त नींद लेना महत्वपूर्ण है।

स्कूल जाने वाले बच्चे (6-12 वर्ष)= इन बच्चों को प्रतिदिन 9 से 12 घंटे सोना चाहिए। आपको रात को जल्दी सोने और सुबह समय पर उठने की आदत डालनी चाहिए। इससे बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

किशोर (13-18 वर्ष)=किशोरों को कम से कम 8-10 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है। इस उम्र में पढ़ाई और मोबाइल फोन के कारण नींद प्रभावित होती है। इसलिए, स्क्रीन समय को नियंत्रित किया जाना चाहिए। इस उम्र के बच्चों को टीवी, मोबाइल, टैब या लैपटॉप के साथ ज्यादा समय नहीं बिताना चाहिए।

बच्चों की अच्छी नींद के लिए महत्वपूर्ण टिप्स

सोने और जागने के लिए एक विशेष समय निर्धारित करें।

सोने से पहले मोबाइल फोन, टीवी और वीडियो गेम से दूर रहें।

रात को हल्का एवं पौष्टिक भोजन दें।

सोने से पहले कोई कहानी सुनाएं या कोई आरामदायक गतिविधि करें।

कमरे का माहौल शांत और आरामदायक बनाएं।

कई बार बच्चे आंतरिक समस्याओं के कारण ठीक से सो नहीं पाते। यदि नवजात शिशु जोर-जोर से चिल्ला रहा है और सो नहीं पा रहा है, तो माता-पिता को अपने बच्चे को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.73

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.72 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

राजनीतिज्ञों की साफगोई से फ्रीबी कल्चर पर नई राजनीतिक बहस

रंजन श्रीवास्तव

दो मंत्रियों के बयानों ने कम से कम मध्य प्रदेश में फ्रीबी कल्चर पर एक नई राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लगभग भोपाल में वन नेशन वन इलेक्शन विषय पर बोलते हुए कहा कि बार बार चुनाव के कारण कई बार वोट दिलाऊ फैसले लेने पड़ते हैं कि यह भी दे दो, वह भी दे दो। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बार बार चुनाव होने से वोटों के डर से कई बार ऐसे फैसले भी प्रभावित होते हैं जो बच्चों का भविष्य बना सकते हैं और प्रदेश और देश का विकास कर सकते हैं। जाहिर है केंद्रीय मंत्री का इशारा फ्रीबी कल्चर की तरफ था। इसी तरह अपने बेबाक बयानों के लिए जाने जाने वाले मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल के द्वारा दिए गए एक बयान ने भी समाज में फ्रीबी कल्चर पर सवाल उठाया है। प्रह्लाद सिंह पटेल कुछ दिनों पूर्व राजगढ़ में रानी अवंतीबाई लोधी के प्रतिमा अनावरण के बाद एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब भी नेता आते हैं उन्हें याचिकाओं की एक टोकरी सौंपी जाती है। उन्होंने कहा कि मांगने की आदत के बजाय लोगों में देने की मनोवृति विकसित करनी चाहिए। मुफ्त उपहारों पर अधिक निर्भरता समाज को मजबूत बनाने की बजाय कमजोर बनाती है। लोगों को भीख मांगने की आदत पड़ गयी है। उल्लेखनीय है कि जुलाई 2022 में उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के वक़्त प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रीबी कल्चर पर जोरदार हमला किया और कहा कि रेवड़ी कल्चर के लोग यह सोचते हैं कि जनता को फ्री की रेवड़ी देकर वो उन्हें खरीद सकते है। उन्होंने जनता का आवाहन करते हुए कहा कि सबको मिलकर इस रेवड़ी कल्चर के मानसिकता को पराजित करना है और देश की राजनीति से इस कल्चर को हटाना है। 2023 में कर्नाटक विधान सभा चुनाव के वक़्त भी प्रधान मंत्री ने रेवड़ी कल्चर पर हमला किया क्योंकि तब उस समय विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस ने लोगों को 5 गारंटी देने की बात कही जिसमें से एक गारंटी 21 से 65 वर्ष के महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रूपये देने का था। रोचक यह है कि इसके पहले कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस चुनावों से पहले कर्नाटक के तर्ज पर 5 गारंटी लांच करती तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना लागू करके 21 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को 1250 रूपये प्रतिमाह से शुरुआत करते हुए 3000 रूपये प्रतिमाह की घोषणा कर दी। भाजपा को पहले से ज्यादा सीटें चुनाव में मिलीं। दिल्ली विधान सभा चुनाव के समय आम आदमी पार्टी को पराजित करने के लिए भाजपा ने 2500 रुपए प्रतिमाह महिलाओं को देने का वादा किया जो कि आम आदमी पार्टी की घोषित धनराशि से 400 रूपये प्रतिमाह ज्यादा है। भाजपा की केंद्र सरकार स्वयं किसानो को प्रधान मंत्री सम्मान निधि के नाम पर 2000 रूपये प्रति तीन माह पर देती है। जब देश के प्रधान मंत्री स्वयं और देश की जनता का एक वर्ग खासकर माध्यम वर्ग चाहता है कि फ्रीबी कल्चर पर रोक लगाई जाय केंद्रीय मंत्री चौहान और मध्य प्रदेश के मंत्री पटेल के बयान एक स्वस्थ बहस की जरूरत की तरफ इशारा कर रहे हैं कि क्या फ्रीबी कल्चर देश के लिए अच्छा है या बुरा। देश के एक वर्ग का मानना है कि फ्रीबी कल्चर से देश की श्रम शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और राजनीतिक दल समाज की आर्थिक स्थिति को ठीक करने के लिए ठोस उपाय अपनाने की जगह फ्रीबी कल्चर को एक शॉर्टकट की तरह प्रयोग में ला रहे हैं। अगर स्वयं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान फ्रीबी कल्चर पर खुल कर बोल रहे हैं तो क्या ये अच्छा नहीं होगा कि भाजपा जिसकी सरकार केंद्र में भी है और कई राज्यों में भी इस कल्चर को ख़त्म करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाए और इसका समाधान निकालने की कोशिश करे। प्रह्लाद सिंह पटेल का कहना है कि उन्होंने जो बयान दिया वह एक सामाजिक कार्यक्रम था और समाज के लोगों को स्वावलम्बी बनाने के लिए उनके आह्वान को विपक्ष और मीडिया ने गलत सन्दर्भों में दिखाया है।

पुलिस मुठभेड़ में एक गौ तस्कर घायल, दो फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गौतस्करों से देर रात पुलिस की मुठभेड़ हो गयी। जिसमें गोली लगने से एक गौतस्कर घायल हो गया। हालांकि इस दौरान दो गौतस्कर फरार होने में सफल रहे जिनकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार कल देर रात नवोदयनगर के पीछे गुर्जर बस्ती से बछड़ा चोरी कर भागे कार सवार गौतस्करों का पीछा कर रही पुलिस टीम की देर रात उक्त बदमाशों से आन्नेकी रोड के जंगल के पास मुठभेड हो गयी। कार के सड़क किनारे कच्चे मे फंसने पर नीचे उतर कर भाग रहे गौतस्करों द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग की गयी। जिस पर जवाबी फायरिंग करते हुए पुलिस ने जब गोलियां चलायी तो एक गौतस्कर गोली लगने से घायल होकर जमीन मे गिर गया। हालांकि इस दौरान उसके दो साथी जंगल की ओर भाग गये।

घायल गौतस्कर के कब्जे से मोबाइल फोन, कारतूस 315 बोर व एक हजार रुपये नगद बरामद हुए। गौतस्कर की पहचान प्रदीप उर्फ जुम्मन पुत्र भुल्लन सिंह निवासी ग्राम देदनोर थाना नकुड़ जिला सहारनपुर उत्तर प्रदेश के रुप में हुई।

घायल को जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया गया है। जिसका उपचार चल रहा है पुलिस टीम द्वारा फरार गौतस्करों की तलाश की जा रही है। एनकाउंटर की सूचना मिलते ही एसपी सिटी पंकज गैरोला सहित आला अधिकारी मौके पर एवं जिला अस्पताल पहुंचे तथा स्थिति की जायजा लेते हुए फरार गौतस्करों की धरपकड के निर्देश दिए गये।

डॉ. आशा राणा का मुख्यमंत्री शोध परियोजना में हुआ चयन

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। एस. बी. एस. पी. जी.कॉलेज रुद्रपुर में राजनीति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ. आशा राणा का चयन मुख्यमंत्री शोध परियोजना के लिए किया गया है। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध परियोजना मे उच्च शिक्षा में कार्यरत प्राध्यापकों से शोध प्रस्ताव मांगे गए थे जिसमें एस. बी. एस. पी. जी. कॉलेज रुद्रपुर में राजनीति विज्ञान विभाग में कार्यरत डॉ. आशा राणा के शोध प्रस्ताव उत्तराखंड में अनुसूचित जनजातियों के भूमि अधिकार और पर्यावरण संरक्षण की पहल (थारू जनजाति के विशेष संदर्भ में) को स्वीकृति मिली है। परियोजना के तहत मिलने वाली 9.63 लाख की धनराशि से डॉ. राणा स्थानीय छात्रों की मदद से थारू जनजाति के विविध आयामों का अध्ययन करेंगी।

15 लाख की स्मैक सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशा तस्करी के खिलाफ पुलिस को खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 15 लाख की स्मैक व तस्करी में प्रयुक्त बाइक बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीते राजे एक सूचना के बाद थाना श्यामपुर पुलिस व एएनटीएफ द्वारा क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग

अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान सयुंक्त टीम को अंजनी चैक पोस्ट के पास बाइक सवार एक संदिग्ध आता हुआ दिखायी दिया। टीम ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 42 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम विशाल पुत्र रामवतार सिंह निवासी ग्राम झलरी पोस्ट नसीरी थाना कोतवाली बिजनौर जिला बिजनौर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

शिक्षा मंत्री की चुप्पी उत्तराखंड के शहीदों का अपमानः सिद्धार्थ

संवाददाता

देहरादून। डीएवी (पीजी) कालेज छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि यू. टी. यु. सॉफ्टवेयर घोटाले में तकनीकी शिक्षा सचिव को घूस देने की पेशकश एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री की चुप्पी उत्तराखण्ड के शहीदों का अपमान है।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए अग्रवाल ने कहा कि 27 मार्च 2025, वीर माधो सिंह भडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्विद्यालय में चल रहे फर्जी डिग्री जाँच प्रकरण, भ्रष्टाचार, वित्तीय अनिमिताओ की शिकायतो को लेकर उनके नेतृत्व में छात्र पिछले एक माह से छात्र सड़को पर आंदोलनरत है।

उन्होंने कहा कि शासन की जाँच समिति द्वारा कुलपति डॉ. ओंकार यादव द्वारा उनके गृह क्षेत्र के निकट सम्बन्धी की इ.आर.पी. कंपनी को करोडो रूपये दिलवाने में सांठ गांठ एवं मिली भगत की पुष्टि के तुरंत बाद से डॉ. ओंकार यादव खुल कर अपने इ.आर.पी. के साथ खड़े हो गए है। डॉ. ओंकार यादव ने मीडिया के सामने आकर स्वयं कहा है कि सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट घोटाला प्रक्रिया में शासन के प्रतिनिधि की भी हर स्तर पर पूर्ण सहभागिता रही थी। ऐसे में केवल अकेले उन पर आरोप ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि वे निशुल्क समर्थ पोर्टल लागु करने या अपने गृह

जनपद के निकट सम्बन्धी की इ.आर.पी. कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने का शासन का कोई आदेश नहीं मानेंगे। अग्रवाल ने कहा कि छात्रों ने विवादित सॉफ्टवेयर कंपनी द्वारा घोटाले को रफा दफा करने के एवज में तकनीकी शिक्षा सचिव को घूस देने की पेशकश करने के प्रयास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री से कुलपति डॉ. ओंकार यादव के व्यक्तिगत ताल्लुक होने एवं उनके रिस्तेदार को विश्वविद्यालय के हॉस्टल निर्माण का काम देने के आरोप को अत्यंत खेद जनक बताया।

सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि अमित अग्रवाल जो की इंजीनियरिंग कॉलेज,गोपेश्वर के डायरेक्टर हैं, उनकी एक दिन में ही दो डिग्री जारी हुई हैं, जो की कानूनी अपराध है। ऐसे व्यक्ति को इतने जिम्मेदार पद से तुरंत पदमुक्त किया जाये एवम इनपे उचित कानूनी कार्यवाही की जाये और आज उत्तराखंड तकनीकी विश्विद्यालय का परीक्षा सिस्टम पूरी तरह से चरमरा गया है एवं छात्र अपने भविस्य को लेकर अत्यंत चिंतित है। परीक्षा हुए दो माह से अधिक हो गए है परन्तु रिजल्ट का अभी भी कुछ अता पता नहीं है। शिक्षकों को उनके पिछले मूल्याङ्कन का भी पारिश्रमिक नहीं दिया गया है जिस वजह से ज्यादातर शिक्षक मूल्यांकन में कोई रूचि नहीं ले रहे है। परीक्षा नियन्त्रक डॉ. वी. के. पटेल प्रतिदिन कॉलेजो को डरा धमका कर बिना पिछले मूल्याङ्कन का पारिश्रमिक भुगतान किये ही शिक्षकों पर दबाव बनाने के नोटिस जारी कर रहे है जिसका शिक्षक अब खुलकर हर प्लेटफार्म पर विरोध कर रहे है एवं मूल्याङ्कन नहीं कर रहे है ! इस गतिरोध की जानकारी अब काफी छात्रों को भी हो गयी है ।जिससे वे मानसिक दबाव में है।

43 किलो गांजे सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 43.580 किलोग्राम गांजा व तस्करी में प्रयुक्त कार बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह एक सूचना के बाद थाना भतरौजखान पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया हुआ था। इस दौरान पुलिस को चौड़ीघट्टी तिराहे पर एक संदिग्ध ब्रिजा कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो कार चालक व उसका साथी सकपका कर भागने लगे। जिन्हे घेर कर दबोचा गया। कार की तलाशी के दौरान उसमें रखा 43.580 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उन्होने अपना नाम राजेन्द्र सिंह पुत्र लोकपाल सिंह निवासी दडियाल थाना टांडा रामपुर व गौरव सैनी पुत्र रघुवीर सैनी निवासी हल्दुवा लम्बरदारपुरी, रामनगर बताया। पुलिस ने दोनों को मौके पर गिरफ्तार करते हुए, थाना भतरौजखान में एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय मे पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

धरासू पुलिस ने बागी गांव में लगाई 'पुलिस की चौपाल'

संवाददाता

उत्तरकाशी। धरासू पुलिस ने पुलिस की चौपाल लगाकर लोगों को नेश के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया।

आज यहां पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी द्वारा युवाओं एवं आमजन को जागरुक करने के उद्देश्य से चलाये जा रहे जनजागरुकता अभियान के क्रम में आज प्रभारी निरीक्षक धरासू दिनेश कुमार के नेतृत्व में धरासू पुलिस टीम द्वारा बागी गांव में 'पुलिस की चौपाल' लगाकर वरिष्ठ नागरिकों की कुशलक्षेम जानी गयी। स्थानीय लोगों को नशे के दुष्प्रभाव के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया, सभी ग्राणीणों को अपने बच्चों की दैनिक दिनचर्या

तथा भविष्य पर ध्यान देने की हिदायत के साथ-साथ नशे तथा अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों की जानकारी पुलिस को हेतु बताया गया। इस दौरान पुलिस द्वारा लोगों को साइबर/महिला अपराध तथा यातायात नियमों के साथ डायल 112 तथा साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 की जानकारी दी गयी। पुलिस द्वारा ग्रामीणों को नशा, साइबर अपराध से सम्बन्धित जागरुकता पम्पलेट भी वितरित किये गये।

एक नजर

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने किया दावा, पुतिन जल्द ही मर जाएंगे

कीव। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को लेकर एक बड़ा दावा सामने आया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की जल्द मौत हो सकती है और इससे युद्ध समाप्त हो जाएगा। पेरिस में एक इंटरव्यू के दौरान जेलेंस्की के इस बयान ने सनसनी मचा दी है। इस बयान की चारों चर्चा हो रही है। वहीं इस बयान के बाद रूस की ओर से प्रतिक्रिया भी सामने आई है। दरअसल, पिछले कई महीनों से पुतिन की सेहत को लेकर तरह-तरह के अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि इस वक्त उनके स्वास्थ्य को लेकर किए जा रहे दावे पर रिपोर्ट्स में दावे को क्रेमलिन ने खारिज कर दिया है। बता दें कि मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि, पुतिन पार्किंसन बीमारी और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। बता दें कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन

का लगातार खांसने, हाथ-पैरों में झटके जैसी हरकतों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे हैं। 2022 में एक वीडियो में पुतिन को रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु के साथ बैठक के दौरान कुर्सी पर झुके हुए और मेज को जोर से पकड़े देखा गया था। इन्हीं सब वीडियो को आधार बना कर उनके अस्वस्थ होने का दावा किया जा रहा था। वहीं जेलेंस्की ने रूस पर शांति वार्ता के बावजूद युद्ध को खींचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, रूस इस युद्ध को जारी रखना चाहता है।

पति ने अपनी पत्नी की शादी उसके प्रेमी से कराई

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के साथ प्रेम संबंध के बारे में पता चलने के बाद उसकी शादी उसके प्रेमी से कराने का फैसला किया। बबलू नाम के व्यक्ति ने कहा कि वह अपने दो बच्चों की देखभाल करेगा, जिसे पत्नी ने स्वीकार कर लिया। बबलू और राधिका की शादी 2017 में हुई थी और उनके 7 और 9 साल के दो बच्चे हैं। बबलू अक्सर अपनी

आजीविका चलाने के लिए घर से बाहर रहता था। राधिका का गांव के ही एक युवक से प्रेम संबंध हो गया और यह रिश्ता लंबे समय तक चलता रहा। बाद में बबलू के परिवार को राधिका के उस व्यक्ति से प्रेम संबंध के बारे में पता चला और उन्होंने बबलू को इस बारे में बताया। इसके बाद बबलू ने मामले को सुलझाने की कोशिश की, लेकिन जब वह ऐसा करने में असमर्थ रहा, तो उसने गांव वालों को अपनी पत्नी के प्रेम संबंध के बारे में बताया फिर बबलू ने फैसला किया कि वह अपनी पत्नी की शादी उसके प्रेमी से करवाएगा। वह पहले कोर्ट गया और अपनी पत्नी और उसके प्रेमी की शादी करवाई, और फिर उन्हें एक मंदिर में ले गया, जहाँ उन्होंने माला पहनाई और शादी की शपथ ली।

अपने 4 बच्चों की हत्या कर पिता ने भी की आत्महत्या!

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। चार बच्चों की हत्या करके पिता ने खुदकुशी कर ली। फॉरेंसिक टीम सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचे हैं। मरने वाले बच्चों की उम्र 10 और 8 साल की लड़की, 7 और 5 साल का लड़का शामिल है। जानकारी के मुताबिक,पिता ने अपने चारों मासूम बच्चों की गला काटकर हत्या की। इसके बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। घटना थाना रोजा क्षेत्र के मानपुर चचरी गांव की है। बताया जा रहा है कि इसी गांव का रहने वाला राजीव अपने घर में था और उसके चार बच्चे (तीन बेटियां और एक बेटा) भी घर में थे। देर रात किसी वक्त राजीव ने अपनी 13 साल की बेटी स्मृति, 9 साल की बेटी कीर्ति, 7 साल की बेटी प्रगति

और 5 साल के बेटे ऋषभ की गला काटकर बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या को अंजाम देने के बाद राजीव ने खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि उसकी पत्नी अपने मायके गई हुई थी और उसका बाबा घर के बाहर सो रहा था। सुबह जब बाबा ने दरवाजा खुलवाने की कोशिश की तो दरवाजा अंदर से बंद मिला, जिसके बाद किसी तरह से बाबा घर के अंदर पहुंचा और उसने वहां पर जो नजारा देखा तो उसकी रूह कांप गई। वहां उसके चार पोते और पोती की खून से सनी लाश पड़ी हुई थी। जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया और मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

हरिद्वार में मजार पर चला बुलडोजर

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में अवैध मदरसो के साथ-साथ अवैध धार्मिक संरचनाओं पर प्रशासन की कार्यवाही जारी है। रानीपुर कोतवाली क्षेत्रांतर्गत सुमन नगर में बनी अवैध मजार को आज बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया।

❑यूपी सिंचाई विभाग की जमीन पर बनी थी मजार
❑अब तक दर्जन भर से अधिक धार्मिक संरचनाएं ध्वस्त

कार्यवाही के बारे में मौके पर मौजूद एसडीएम अजय वीर सिंह ने बताया कि यह मजार उत्तर प्रदेश की सिंचाई विभाग की जमीन पर बनी हुई थी तथा इसको निर्माण कराए हुए बहुत अधिक समय नहीं हुआ था। उनका कहना था कि अभी कुछ दिन पूर्व उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा यहां एक नोटिस भी चस्पा किया गया था जिसमें मजार को स्वत ही हटाने की अपील की गई थी लेकिन मजार के संचालन कर्ताओं ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया था।

उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं मौके पर जाकर इसका परीक्षण कराया तथा आज स्थानीय पुलिस प्रशासन की मदद से इस मजार को हटा दिया गया है। इस दौरान किसी प्रकार का विरोध न हो जिसके मद्देनजर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

उल्लेखनीय है कि हरिद्वार में उत्तराखंड पुलिस और प्रशासन द्वारा लगभग एक दर्जन धार्मिक संरचनाओं पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई है जिसमें दो मंदिर भी शामिल है।

उन्होंने कहा कि हरिद्वार में अवैध मदरसों की आड़ में किए गए अवैध कब्जों को हटाने का कार्यवाही भी जारी है तथा अब तक दो दर्जन से अधिक मदरसों को सील किया जा चुका है तथा कार्यवाही अभी भी जारी है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर यह कार्रवाई की जा रही है तथा राज्य में अब तक 164 मदरसों को सील किया जा चुका है जिनमें से 44 दून और सबसे अधिक 64 उधमसिंह नगर में सील किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

जमीन के नाम पर तीन लाख की ठगी

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर तीन लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी निवासी विकास नेगी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके और फरजान खान पुत्र आबिद खान, निवासी-170 राजीव जुयाल मार्ग, देहरादून के मध्य ब्राहमणवाला, देहरादून में स्थित 33.49

वर्गमीटर, प्लॉट भूमि खरीदने का सौदा कुल विक्रय मूल्य 3 लाख 70 हजार रूपये में हुआ था जिसके लिये पक्षकारों के मध्य एक पंजीकृत विक्रय अनुबन्धपत्र मय कब्जा देहरादून रजिस्ट्रार कार्यालय में उप-निबन्धक देहरादून तृतीय के कार्यालय में दर्ज है। अनुबन्धपत्र निष्पादन के समय उसके द्वारा उपरोक्त फरजान खान को तीन लाख रूपये चैक भारतीय स्टेट बैंक, श्रीनगर, विक्रय की अग्रिम धनराशि के रूप में प्रदान किये गये थे तथा शेष राशि 70 हजार रूपये विक्रयपत्र सम्पादन के समय दिया जाना तय हुआ था। पंजीकृत विक्रय अनुबन्धपत्र में विक्रय पत्र सम्पादन की समयसीमा 18 माह तक तय निधरित हुई थी। उसके बार-बार आग्रह करने के उपरांत भी निर्धारित समयसीमा में फरजान खान द्वारा उपरोक्त भूमि का बैनामा नहीं कराया गया। जब उसने फरजान खान से उपरोक्त भूमि का बैनामा अपने पक्ष में करवाने के लिये कहा तो फरजान खान ने कहा कि अभी तो वह कुछ काम से बाहर आया है अगले महीने बैनामा करवा दूंगा। इसके बाद फरजान खान उसको कोई न कोई बहाना बनाकर टालता रहा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नाबालिग से दुष्कर्म, कहीं सुनवाई नहीं

❑सीएम व बाल संरक्षण आयोग से मांगा न्याय
❑पुलिस पर नेता के करीबी को बचाने का आरोप

हमारे संवाददाता

देहरादून। नाबालिग से दुष्कर्म मामले में कहीं सुनवाई न होने के बाद अब पीड़िता की मां द्वारा सीएम व बाल संरक्षण आयोग को पत्र लिखकर न्याय मांगा गया है। मामले में पुलिस पर आरोप है कि वह नेता के करीबी आरोपी को बचाने का प्रयास कर रही है।

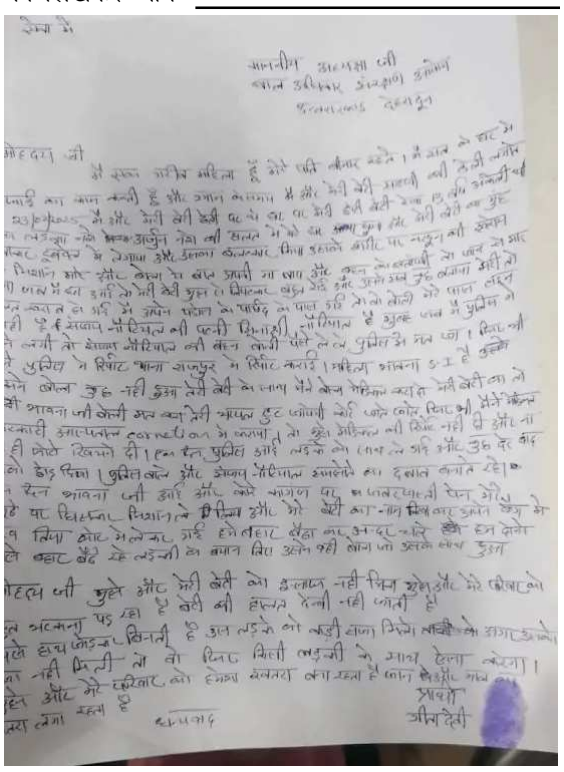

मामला राजपुर थाना क्षेत्रांर्तगत जाखन क्षेत्र का है। यहां एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां ने बाल अधिकार संरक्षण आयोग, उत्तराखंड को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता की मां ने पत्र में लिखा कि उनकी बेटी, जो कक्षा 6 की छात्रा है। जिसकी उम्र लगभग 12-13 वर्ष है। उनकी नाबालिग बेटी के साथ भाजपा नेता के परिचित अर्जुन नामक युवक ने दुष्कर्म किया। घटना उस समय घटी जब आरोपी अर्जुन बच्ची के घर आया और उसका मुंह दबाकर ट्यूबवेल के पास ले गया।

आयोग को लिखे पत्र में कहा गया है कि घटना के बाद जब परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, तो पुलिस ने बहाने बनाने शुरू कर दिए। काफी प्रयासों के बाद मामला दर्ज हुआ। लेकिन पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट नहीं दिखाई जा रही और न ही उचित कार्रवाई की जा रही है।

पीड़िता की मां का आरोप है कि राजपुर थाना पुलिस ने खाली कागज पर उनके हस्ताक्षर करवाए और कहा कि माफीनामा मिल जाएगा। जिससे मामला समाप्त हो जाएगा। इस तरह से न्याय मिलने के बजाय मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।